ॐ

विश्व हिन्दू परिषद केन्द्रीय प्रबन्ध समिति बैठक–29–30 जून, 2019, काँगड़ा फोर्ट बैंक्वेट हाल, (मुठी बरनाई), जम्मू (ज0का0)

प्रस्ताव – 2

विषय : हिन्दू तीर्थस्थलों व तीर्थयात्राओं का विकास ही जम्मू–कश्मीर को धरती का स्वर्ग बना सकता है

जम्मू कश्मीर केवल यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण 'धरती का स्वर्ग' नहीं है अपितु विहिप की प्रबंध समिति का यह स्पष्ट अभिमत है कि यहाँ के तीर्थस्थल, तीर्थयात्राएँ, मंदिर एवं ऐतिहासिक स्थल समग्र रूप से मिलकर ही इस स्वर्ग को अलौकिक रूप प्रदान करते हैं। इन पावन स्थलों के बिना यह धरती न स्वर्ग बन सकती है और न यहाँ का वैशिष्टय बना रह सकता है। इन तीर्थयात्राओं का विकास करके, तीर्थस्थलों को भव्यता प्रदान करके तथा मंदिरों को सुरक्षा प्रदान करके एवं वहाँ परम्परागत रूप से पूजा–अर्चना सुनिश्चित करके ही जम्मू–कश्मीर की आत्मा को पुष्ट किया जा सकता है।

पाक–अधिकृत जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा के नजदीक स्थित शारदा पीठ न केवल शक्तिपीठ है अपितु ज्ञान अर्जन का बहुत बड़ा केन्द्र रही है। यहाँ पर स्थित विश्व विद्यालय में एक समय में पाँच हजार छात्र पढ़ा करते थे। यह पीठ जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य के साथ भी जुड़ी है। कल्हन व अभिनव गुप्त जैसे प्रकाण्ड विद्वान भी इस विश्वविद्यालय से जुड़े थे। पूरे देश के हिंदुओं की आस्था का यह महत्वपूर्ण केन्द्र रही है। कांगड़ा फोर्ट जम्मू में आयोजित विहिप की प्रबंध समिति की यह सभा भारत सरकार से आग्रह करती है कि वे पाकिस्तान सरकार से पुरजोर आग्रह करके शारदा पीठ को हिंदुओं के लिए खुलवाए और इसके संचालन का अधिकार आस्थावान हिंदुओं को सौंपना सुनिश्चित करवाए जिससे परंपरागत रूप से पूजा–अर्चना की जा सके। विश्व हिन्दू परिषद केन्द्र सरकार से यह भी अपील करती है कि वे शारदा कॉरीडोर का निर्माण करवाएँ जिससे यात्री बिना वीजा व परमिट के यात्रा सम्पन्न कर सके।

तिब्बत स्थित कैलाश मानसरोवर की यात्रा विश्व की सबसे दुर्गम यात्राओं में से एक है। परन्तु इसके सबसे छोटे, अच्छे और सुविधाजनक मार्गों में से एक मार्ग लद्दाख की ओर से जाता है। लेह से केवल 2 दिन में सड़क मार्ग द्वारा मानसरोवर के बेस कैम्प में पहुँचा जा सकता है। विहिप केन्द्र सरकार से माँग करती है कि वे चीन सरकार से बातचीत करके इस मार्ग को खुलवाए।

अमरनाथ यात्रा हिंदुओं की भारत में सबसे पावन व दुरुह यात्राओं में से एक है। उनको सुविधाएँ देना व मार्ग की कठिनाइयों को न्यूनतम करना राज्य सरकार व बाबा अमरनाथ श्राईन बोर्ड का वैधानिक दायित्व है। कुछ सुविधाएँ दी भी गई हैं, इसके लिए बोर्ड प्रशंसा का पात्र है; परन्तु अभी यात्रा को और अधिक सुगम किया जाना शेष है। इस यात्रा के लिए केबल कार (CABLE CAR) की अनुशंसा कई बार की जा चुकी है। बोर्ड के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने ग्रीन ट्रिब्यूनल की एक बैठक में यह लिखकर भी दिया है कि वे इस पर काम कर रहे हैं। विहिप की प्रबंध समिति जम्मू–कश्मीर के महामहिम राज्यपाल से अनुरोध करती है कि वे इस विषय पर तीव्रता से काम करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दें जिससे अगली यात्रा में केबल कार (CABLE CAR) का उपयोग हो सके। यह सबसे सुरक्षित व प्रदूषण मुक्त साधन सिद्ध होगा। ऐतिहासिक रूप से यात्रा 6 अलग–अलग मार्गों से जाती रही है। एक मार्ग जो सबसे छोटा व सुरक्षित है, वह कारगिल से होकर जाता है। उस पर विशेष करणीय कार्य भी नहीं है। अतः इस मार्ग से भी यात्रियों को जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कश्मीर घाटी में हिंदुओं के सैकड़ों मंदिरों और उनकी जमीनों पर अवैध कब्जे किए जा चुके हैं। कई मंदिरों के ऐतिहासिक व पवित्र स्वरूपों को खण्डित भी किया जा चुका है। महामहिम राज्यपाल महोदय से अपील है कि उन सभी मंदिरों व उनकी जमीनों को चिह्नित करके उन पर अवैध कब्जे हटाए जाएँ। इन मंदिरों की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे उन सब मंदिरों में परंपरागत रूप से पूजा–अर्चना प्रारंभ की जा सके तथा जम्मू–कश्मीर में पीड़ित हिंदू समाज को न्याय दिलाने व जम्मू–कश्मीर की न्याय व्यवस्था में उनका विश्वास लौटाने में उपरोक्त कदम निर्णायक सिद्ध हो सके।

प्रस्ताव :अभिषेक गुप्ता, जम्मू
अनुमोदक :गाला रेड्डी, भाग्य नगर

Vishwa Hindu Parishad Kendriya Prabandh Committee Meeting
29-30 June, 2019. Kangra Fort Banquet Hall (Muthi Barnai, Jammu)
Jammu & Kashmir

Resolution No. 02

Subject : Development of Hindu Tirth and Tirth Yatra can ensure J & K to become paradise on Earth again

Jammu & Kashmir is called "paradise on earth" not only because of its natural beauty, but also because of its pilgrimages, Hindu holy places, hindu temples and historical places, it is all these that combine to make Kashmir a paradise on earth, the Kendriya Prabandh Samiti (Central Management Committee) of the Vishwa Hindu Parishad said in its two day meeting held at Jammu.

Without these holy places, neither can this place be called a paradise on earth, nor can the place retain its "uniqueness." The holy places of pilgrimage in Jammu & Kashmir will have to be developed, their granduer enhanced, adequate security cover will have to be provided, the traditional modes of worship reinstated, only then will the real soul of Kashmir be strengthened. Not only this, it must be remembered that the peeth is also associated with the Adi Shankaracharya and great scholars like Kalhan and Abhinav Gupt.

The Sharda Peeth in Pakistan Occupied Kashmir near the LoC is not only one of the most important Shaktipeeth of Hinduism, but was also a great place of learning. The university in Sharda once housed 5000 students. The place is holy not only for the Hindus of the entire nation.

The Kendriya Prabandh Samiti of the VHP requests the Govt of India to request the Pakistan govt to make arrangements to open the Sharda peeth and hand over its management to Hindus so that its pristine traditional mode of worship can begin again.

Kendriya Prabandh Samiti, in its meeting held at the Kangra Fort, Jammu, appealed to the central govt to get a "Sharda Corridor" established so that visa-free and permitless travel may be started.

The Kailash Mansarovar Yatra is one of the most arduous and dangerous pilgrimages on earth. One of the shortest and safest routes to Kailash Mansarovar goes through Ladakh. One can reach the destination camp in only two days using the road through Leh. The VHP requests the govt to get this road opened after talking to the Chinese govt.

The Amarnath Yatra is also one of the most difficult and dangerous pilgrimages undertaken by the hindus. The obstacles that dot the yatra challenges more and more pilgrims to take up the yatra every year. Providing adequate facilities to the pilgrims and minimising the problems is a constitutional duty of the state govt and Amarnath Shrine Board. The Board has provided some facilities and the VHP appreciates it but much more needs to be done. Cable Car facility has been a persistent demand. The Chief Administrative Officer of the Board has even told the Green Tribunal in a meeting that it is working on it. VHP requests the Hon Governor to make arrangements so that the Cable Car facility can be started from this yatra itself. This will be pollution free and also accessible. Historically, the yatra starts from six different places. The shortest and easiest route goes through Kargil. The route does not need any major work on it, therefore permission for its use must be granted.

Thousands of Hindu temples and their land has been illegally usurped in Kashmir. The historical and holy sanctity of thousands of such temples has been altered. VHP appeals to the Hon governor to earmark such temples and remove the encroachments there. Traditional mode of worship must again be started in these temples, so that the trust of Kashmiri Hindus can again be decisively restored in the administration of Kashmir.

Proposed by : Abhishek Gupta, Jammu
Seconded by : Gala Reddy, Bhagya Nagar